(iii) Kendriya Vidyalaya, Sainik Vihar, Delhi-110 034.

(iv) Kendriya Vidyalaya, Block A-N, Shalimar Bagh, Delhi-110-052.

(c) Parent-Teachers Association in Kendriya Vidyalaya. Lawrence Road was formed in January 1990, but no meeting of the Association has been held so far. Parent-Teachers Association in Kendriya Vidyalaya Pitampura was formed in July, 1989 and since then four meetings of this Association have been held. Suggestions given were mainly regarding cleanliness, checking of home work and some academic points. These suggestions have been implemented by the Principals.

(d) Does not arise.

दिल्ली में इन्दिरा गांधी कला और संस्कृति केन्द्र का स्थापित किया जाना

2254. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दिल्ली में इन्दिरा गांधी कला और संस्कृति केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस सबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की स्थापना 24 मार्च 1987 को उप-पंजीयक, नई दिल्ली द्वारा पंजीकृत घोषणा विलेख (न्यास विलेख) के जरिए एक स्वायत्त न्यास के रूप में की गई थी ।

(ख) एक विवरण-पत्र सलग्न है । (नीचे देखिये)

विवरण

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की स्थापना मार्च, 1987 में एक स्वायत्त न्यास के रूप में की गई थी, जिसके न्यासी निम्न व्यक्ति थे :—

1. श्री राजीव गांधी—न्यास के अध्यक्ष
2. श्री आर० वेंकटरमण
3. श्री पी० वी० नरसिंह राव
4. श्री ब्रह्म दत्त (तत्कालीन वित्त) राज्य मंत्री — पदेन)
5. श्रीमती पुपुल जयकर
6. श्री एच० वाई० शारदा प्रसाद
7. डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन -सदस्य सचिव

फरवरी, 1989 में श्रीमती एम० एस० सुब्बालक्ष्मी और श्री आबिद हुसैन को भी दो और न्यासियों के रूप में नियुक्त किया गया ।

2. भारत सरकार ने इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र को मार्च, 1987 में 25 करोड़ रुपये का प्रारम्भिक कोर्पस फन्ड भी स्वीकृत किया था, जिससे प्राप्त ब्याज और अन्य आय का उपयोग इसके घोषणा विलेख में निर्धारित न्यास के लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रोन्नति के लिए ही किया जाना था । इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के प्रमुख उद्देश्यों हैं, एक प्रमुख कला संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना, अनुसंधांन और प्रकाशन कार्यक्रम आरम्भ करना, आदिवासी और लोक कलाओं का अध्ययन करना, विविध कलाओं आदि के बहुमाध्यमी प्रस्तुतीकरण के लिए मच की व्यवस्था करना । इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र ने अब एक बहुमाध्यमी सन्दर्भ पुस्तकालय, कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रणाली और सांस्कृतिक अभिलेखागार की स्थापना कर ली है । केन्द्र ने कुछ चुनिन्दा कृतियों के पुनर्मुद्रण के अतिरिक्त, संगीत के मूल पाठों से संबंधित दो ग्रन्थ और भारतीय

कलाओं की मूल संकल्पनाओं के शब्द-कोश का प्रकाशन भी किया है । केन्द्र ने अत: सांस्कृतिक विषयों पर प्रदर्शनियों और सेमिनारों का भी आयोजन किया है । इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के भवन परिसर के निर्माण के लिए केन्द्र ने यद्यपि जनवरी, 1988 में अमरीकी वास्तुकार, श्री रेल्फ लर्नर के साथ वास्तुशिल्पीय सेवा करार तो किया है किन्तु कार्य अभी अवधारणात्मक योजना स्तर पर ही है ।

भारतीय भाषाओं का विकास

2255. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारतीय भाषाओं के विकास के लिए कोई योजनाएं तैयार की हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) और (ख) भारतीय भाषाओं का विकास तथा उन्हें बढावा देना मुख्य रूप से राज्य सरकारों का कार्य है । तथापि, भारत सरकार भारतीय भाषाओं को बढावा देने के लिए कई कार्यक्रमों को सीधे ही और अपने द्वारा स्थापित किए गए संस्थानों के माध्यम से कर रही हैं ।

सरकार द्वारा कार्यान्वित किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :—

(i) भारतीय भाषाओं में प्रकाशन निकालने के लिए स्वैच्छिक संगठनों के साथ-साथ व्यक्तियों को वित्तीय सहायता देना ।

(ii) विभिन्न भारतीय भाषाओं में विकासात्मक क्रियाकलापों के लिए स्वच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना ।

(iii) पुस्तकालयों तथा शैक्षिक संस्थाओं को भारतीय भाषाओं में पुस्तकों का (निशुल्क) वितरण ।

(iv) भारतीय भाषाओं में विश्व-विद्यालयीय स्तर की पाठ्यपुस्तकों को तैयार तथा उनका निर्माण करने के लिए राज्यों और विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता ।

(v) अहिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी अध्यापकों की नियुक्ति की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अन्तर्गत प्राइमरी तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर हिन्दी शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अहिन्दी भाषी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की सरकारों को वित्तीय सहायता ।

(vi) हिन्दी शिक्षक प्रशिक्षण कालेजों की स्थापना के लिए स्वैच्छिक संगठनों तथा हिन्दी भाषी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की सरकारों को वित्तीय सहायता ।

गरीबी के स्तर की पुनरीक्षा

2256. **श्री विश्वास राव रामराव पाटिल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मूल्य सूचकांक में होने वाले परिवर्तनों के अनुसार किसी व्यक्ति या परिवार के गरीबी के स्तर की किस प्रकार से पुनरीक्षा की जाती है और पुनरीक्षा की इस प्रक्रिया के कार्य को सामान्यत: कितनी अवधि के अन्तराल पर निष्पादित किया जाता है ; और

(ख) विभिन्न गरीबी उन्मूलन कार्य-क्रमों के प्रभाव पर निगरानी रखने तथा उनका मूल्यांकन करने के लिए क्या संस्थागत व्यवस्था की गई है ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागेय गोवर्धन) :